Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

27 मई 2026

वर्ष - 04, अंक - 04 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

वक्फ संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने का कार्य ऐतिहासिक : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड विभिन्न नवाचारों से देश में सबसे आगे है। प्रदेश में वक्फ बोर्ड के माध्यम से वक्फ संपत्तियां ऑनलाइन की गई, इसके लिए भारत सरकार से स्कॉच अवार्ड मिला। यह पारदर्शी व्यवस्था पूरे देश के लिए उदाहरण बनी है। म.प्र वक्फ बोर्ड देश का श्रेष्ठ वक्फ बोर्ड है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रवीन्द्र भवन भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

रहीम और रसखान ने दिया समरसता का संदेश – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा देश रहीम और रसखान की मेलजोल की संस्कृति में विश्वास रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की जनता कानून में भरोसा रखती है, चाहे किसी भी समुदाय की हो। इसलिए भारत पूरे विश्व में कश्मीर में पड़ोसी राष्ट्र से दरिन्दे आए तब वहां की जनता ने उनका सीधा विरोध किया और उन्हें खदेड़ दिया। हमारे देश की जनता बुद्धि और विवेक का उपयोग करती है। भारत की यह सुदृढ़ परम्परा और आदर्श संस्कृति है।

प्रधानमंत्री की पहल और मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने नए वक्फ कानूनों से श्रेष्ठ कार्य को प्रोत्साहित किया है। जहां राज्यों के वक्फ बोर्ड की आय बढ़ रही है, वहीं सच्चाई के साथ कार्य करने का आनंद भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नए वक्फ कानून से अनेक वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा संभव हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नए वक्फ कानून के माध्यम से सुशासन और पारदर्शिता की व्यवस्था लागू करवाई है। अतिक्रमण को रोकने में सफलता मिली है। मध्यप्रदेश इस कार्य में अग्रणी है।

वक्फ सुधार के कार्य ऐतिहासिक – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से लेकर अब तक वक्फ सुधार में इतना बड़ा कार्य नहीं हुआ है। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड अभिनंदन का पात्र है। वक्फ संपत्तियों का संरक्षण और सुधार हो रहा है। नया वक्फ भवन भी बनाने की पहल हुई है, जिसका नाम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया।

कश्मीर की जनता ने पड़ोसी दरिंदों को खदेड़ा, यह भारत की आदर्श संस्कृति – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब जम्मू आदर्श है।

MP में 1 प्रति किलो महंगी हुई CNG

नई दिल्ली । ईरान जंग के बीच मध्य प्रदेश में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी, CNG के रेट 10 दिन में दूसरी बार बढ़े हैं। भोपाल में यह 1 रुपए प्रति किलो तक महंगी कर दी गई है। अब यह 94.75 रुपए प्रतिकिलो में मिल रही है।

इससे पहले 16 मई को करीब 3 रुपए प्रतिकिलो रेट बढ़े थे। फिलहाल थिंक गैस एजेंसी ने कीमतें बढ़ाई हैं। इसकी सप्लाई भोपाल समेत आसपास के जिलों में है। दो महीने में यह तीसरी बार बढ़ोतरी की गई है। तीन बार में सीएनजी 6 रुपए किलो तक महंगी हुई है।

प्रदेश में 3 कंपनियों की सप्लाई – मध्य प्रदेश में 3 गैस एजेंसियां- थिंक, गेल और अवंतिका सीएनजी की सप्लाई करती हैं। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, शिवपुरी, विदिशा समेत आसपास के जिलों में थिंक कंपनी सप्लाई करती है, जबकि इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग में अवंतिका की सप्लाई है। गेल कंपनी की भी कई जिलों में सप्लाई है।

भोपाल के 25 पंपों पर सीएनजी – राजधानी में कुल 152 पेट्रोल पंप है। इनमें से 12 पंप ऐसे हैं। जहां सीएनजी गैस भी मिलती है। वहीं थिंक गैस के मैनिट, नीलबड़, होशंगाबाद रोड, बैरागढ़ रोड समेत कई जगहों पर भी कुल 25 स्टेशन है। यहां पर रेट बढ़े हैं।

50% तक बढ़ी CNG गाड़ियों की बिक्री – पिछले तीन साल में भोपाल में सीएनजी गाड़ियों की बिक्री 50% तक बढ़ी है। शोरूम से हर रोज सीएनजी बेस्ड 10 से 15 गाड़ियां बिक रही है। इसकी मुख्य वजह पेट्रोल-डीजल के मुकाबले सीएनजी से एवरेज ज्यादा मिलना है। वहीं, सीएनजी के रेट भी कम है।

बिचला गोपाल जी मंदिर में पदमिनी एकादशी पर भव्य कीर्तन आज, कल होगी श्याम बाबा की ज्योत

नीमच। नगर के सराफा बाजार स्थित प्रसिद्ध और श्रद्धा के केंद्र श्री बिचला गोपाल जी मंदिर में पदमिनी एकादशी के पावन उपलक्ष्य में धार्मिक कार्यक्रमों की भव्य श्रृंखला आयोजित की जा रही है। 'एक शाम नीमच के आराध्य देव श्री गोपाल लाल प्यार के नाम' समर्पित इस महोत्सव में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होंगे।

आज रात सजेगी भजनों की महफिल, होगा अलौकिक श्रृंगार– मंदिर के पुजारी श्री ललित जी शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज दिनांक 27 मई 2026, बुधवार रात्रि 8:30 बजे से मंदिर परिसर में एक भव्य कीर्तन का आयोजन किया गया है।

कल सुबह होगी श्याम बाबा की ज्योत – एकादशी महोत्सव के अगले दिन, दिनांक 28 मई 2026, गुरुवार प्रातः 9:30 बजे से मंदिर में श्याम बाबा की अखंड ज्योत के दर्शन किए जा सकेंगे। आगामी 31 मई 2026 (रविवार) को मंदिर में विशेष नौका विहार का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 6:00 बजे से शुरू होगा, जिसके बाद रात्रि 10:00 बजे भव्य महाआरती के साथ इस धार्मिक उत्सव का समापन होगा।

एमपी के कई शहरों में 44 डिग्री से ज्यादा तापमान, लू का अलर्ट

भोपाल । मध्य प्रदेश में मंगलवार को कई शहरों का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या इससे ज्यादा दर्ज किया गया। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म रहे। खजुराहो में पारा 46.4 डिग्री और नौगांव में 45.6 डिग्री रहा।

वहीं, दतिया में तापमान 45.2 डिग्री, दमोह, सतना-टीकमगढ़ में 45 डिग्री, रीवा में 44.8 डिग्री, राजगढ़ में 44.6 डिग्री, श्योपुर में 44.4 डिग्री, गुना में 44.3 डिग्री, नरसिंहपुर में 44.2 डिग्री, सागर, मंडला, मुरैना-रायसेन में 44 डिग्री रहा।

प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां पारा 44.1 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 43.2 डिग्री, इंदौर में 41.2 डिग्री, उज्जैन में 42 डिग्री और जबलपुर में 43.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इधर, मौसम विभाग ने रात में बुरहानपुर और खरगोन में आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। खंडवा, बड़वानी में भी मौसम बदल सकता है। विभाग की मानें तो मध्य प्रदेश में 28 मई को प्री-मानसून की दस्तक के संकेत हैं। इस दिन उत्तरी और दक्षिणी 14 जिलों में पानी गिरने का अलर्ट है।

चंबल अभयारण्य में अवैध रेत खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः यूपी, एमपी और राजस्थान सरकार को तत्काल कदम उठाने के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य में अवैध रेत खनन पर सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को इस अभयारण्य में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध रेत खनन पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया। वन रक्षकों के खाली पड़े पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करने समेत अन्य कड़े उपाय करने को भी कहा है।

शेष पेज नं. 4 पर...

अब संपत्ति में महिलाएं बराबर की हकदार महिलाओं के नाम पर 45 प्रतिशत रजिस्ट्रियां, पंजीयन शुल्क में छूट का गणित

भोपाल। अब संपत्ति में महिलाएं बराबर की हकदार बन गई हैं, हर क्षेत्र में वर्चस्व बनाने के साथ ही प्रापर्टी में जमकर निवेश कर रही हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले पांच साल में महिलाओं के नाम जमकर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इन सालों में प्रापर्टी की 100 प्रतिशत रजिस्ट्री में करीब 45 प्रतिशत रजिस्ट्रियां महिलाओं के नाम पर हैं। ऐसे में अब महिलाएं भी प्रापर्टी में पुरुषों की बराबरी से खड़ी हुई हैं। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक कुल 21 हजार 403 रजिस्ट्रियां हुई हैं, जिनमें से 36.4 प्रतिशत सात हजार 790 पुरुषों के नाम जबकि 44.04 प्रतिशत नौ हजार 426 महिलाओं के नाम हुई हैं।

पंजीयन शुल्क में 2% की छूट और आसान लोन सुविधा का मिल रहा बड़ा लाभ – जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश में प्रापर्टी की रजिस्ट्री करवाने पर पुरुषों को 12.5 प्रतिशत शुल्क चुकाना होता है, जबकि महिलाओं को दो प्रतिशत कम 10.5 प्रतिशत शुल्क चुकाना पड़ता है। इसी का लाभ लेने के लिए लोग घर की महिलाओं के नाम प्रापर्टी के सौदे कर रहे हैं और उनके नाम प्रापर्टी की रजिस्ट्रियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। इसके अलावा महिला के नाम जमीन या प्लाट की रजिस्ट्री होती है तो कोई भी नया प्रोजेक्ट शुरू करने पर आर्थिक मदद आसानी से मिल जाती है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 की बात करें तो प्रदेश भर में करीब नौ लाख 44 हजार 549 प्रापर्टी के दस्तावेज रजिस्टर्ड किए गए थे, जिनमें सबसे अधिक 44 प्रतिशत चार लाख 22 हजार पांच महिलाओं के नाम रजिस्टर्ड किए गए थे।

पेयजल स्रोतों की शुद्धता की जांच शुरू : नपा ने लिए सैंपल, लैब भेजी जाएगी रिपोर्ट, शहरभर में चलेगा अभियान

नीमच । सीएम डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर पूरे मध्य प्रदेश में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाया जा रहा है। इसी के तहत नीमच नगर पालिका भी पेयजल स्रोतों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय हो गई है।

सीएमओ दुर्गा बामनिया के निर्देशों पर मंगलवार को नगर पालिका की पेयजल शाखा की टीम वार्ड नंबर 28 स्थित हुडको कॉलोनी पहुंची। टीम ने घरों और सार्वजनिक जलस्रोतों से पानी के सैंपल लिए। मौके पर ही पानी का टीडीएस, क्लोरीन की मात्रा और बैक्टीरिया की शुरुआती जांच की गई। यह अभियान शहर के सभी इलाकों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

पेयजल शाखा के सुरेश पवार ने अपनी टीम के साथ यह कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि मौके पर जांच के अलावा, इन सैंपल्स को विस्तृत रिपोर्ट के लिए प्रयोगशाला भी भेजा जाएगा, ताकि पानी की गुणवत्ता का सटीक आकलन हो सके।

नगर पालिका प्रशासन के अनुसार, यह अभियान सिर्फ एक वार्ड तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में शहर के अन्य सभी वार्डों और जलस्रोतों पर भी पानी की सैंपलिंग और जांच लगातार जारी रहेगी, जिससे शहरवासियों को दूषित पानी की समस्या से बचाया जा सके।

नीमच मल्टी टास्क स्टाफ को 3 माह से वेतन नहीं : कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट घेरा, नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नीमच । जिले के शासकीय चिकित्सालयों में कार्यरत मल्टी टास्क स्टाफ (MTS) कर्मचारियों ने तीन माह से वेतन न मिलने पर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार को बड़ी संख्या में कर्मचारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें जिले के दूर-दराज के अस्पतालों में सेवाएं देनी पड़ती हैं। वेतन न मिलने के कारण उन्हें महंगाई के दौर में आने-जाने का खर्च भी अपनी जेब से उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि हर महीने की 1 से 10 तारीख के बीच वेतन का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। ज्ञापन में कर्मचारियों ने उल्लेख किया कि वे जनवरी माह से मल्टी टास्क स्टाफ के रूप में निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। लगभग पांच महीनों के सेवाकाल में उन्हें अब तक केवल एक ही महीने का वेतन मिला है, जबकि पिछले तीन महीने का वेतन बकाया है। कर्मचारियों ने पहले भी जिला प्रशासन की जनसुनवाई में आवेदन दिया था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनका बकाया तीन माह का वेतन शीघ्र जारी नहीं किया गया और हर महीने 10 तारीख तक वेतन देने की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

युवक ने खाया जहर, उपचार के दौरान मौत

नीमच । जिले के रतनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम लुहारिया जाट में एक 35 वर्षीय युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। युवक ने सोमवार को अज्ञात कारणों से जहरीला पदार्थ गटक लिया था, जिसके बाद मंगलवार सुबह जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, लुहारिया जाट निवासी राजूलाल उर्फ राजू (35) पिता भोजाजी भील ने सोमवार को अपने घर पर किसी अज्ञात कारण के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल रतनगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद भी युवक की हालत गंभीर बनी रही, जिसके चलते उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में राजूलाल का इलाज चल रहा था, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और मंगलवार सुबह करीब 4 बजे उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। युवक द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाने का कारण अभी अज्ञात है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

जीरन अस्पताल की लैब में जादू, बिना छुए 8 मिनट में दी यूरिन टेस्ट रिपोर्ट, सैंपल वहीं के वहीं

जीरन । क्षेत्र के पालसोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की पैथोलॉजी लैब में मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ का मामला सामने आया है। अस्पताल में जांच के नाम पर ऐसा खेल चल रहा है कि यूरिन के सैंपल टेबल पर ही रखे रह जाते हैं और बिना छुए कुछ ही मिनटों में रिपोर्ट प्रिंट होकर मिल जाती है।

सोमवार को एक सजग मरीज के परिजन ने इस व्यवस्था को रंगे हाथों पकड़कर वीडियो बना लिया। विरोध बढ़ने पर घबराए कर्मचारी आनन-फानन में सैंपलों में टेस्ट स्ट्रिप्स डालने लगे। मामले की लिखित शिकायत बीएमओ से की गई है।

भुक्तभोगी पालसोड़ा निवासी अनिल राठौर ने बताया कि वे पत्नी रीना राठौर की जांच कराने पहुंचे थे। लैब में दोपहर 12:48 बजे सैंपल लिया गया और महज 8 मिनट बाद 12:56 बजे फाइनल रिपोर्ट थमा दी गई।

अनिल ने देखा कि उनकी पत्नी से पहले करीब 11 अन्य मरीजों के सैंपल स्टैंड पर रखे थे, जिन्हें छुए बिना ही 10 से 15 मिनट में सबकी रिपोर्ट तैयार हो रही थी। नागरिकों का कहना है कि मनगढ़ंत रिपोर्ट से गलत दवा मिलने का खतरा रहता है। बीएमओ डॉ. विजय भारती ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विरोध देख सबूत मिटाने की कोशिश – पीड़ित अनिल राठौर ने जब इस फर्जीवाड़े पर आपत्ति दर्ज कराते हुए मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया, तो लैब स्टाफ में अफरा-तफरी मच गई। खुद को फंसता देख एक कर्मचारी दौड़कर आया और सबूत मिटाने के लिए जल्दबाजी में सभी सैंपलों के डिब्बों में स्ट्रिप्स डालने लगा ताकि यह दिखाया जा सके कि जांच की जा रही है।

नीमच एसपी जनसुनवाई में 13 सीएम हेल्पलाइन शिकायतें बंद 57 फरियादियों की समस्याएं सुनीं, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

नीमच । पुलिस कंट्रोल रूम में जिला स्तरीय जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने स्वयं उपस्थित रहकर 57 फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन की 13 शिकायतों का मौके पर ही संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर पोर्टल पर बंद करवाया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन के निर्देशों के तहत आयोजित इस शिविर में जिलेभर से आए लोगों ने अपनी शिकायतें एसपी के समक्ष प्रस्तुत कीं। पुलिस अधीक्षक व्यास ने सभी संबंधित थाना प्रभारियों को शिकायतों के शीघ्र और निष्पक्ष निराकरण के कड़े निर्देश दिए। शिविर में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निपटारे में विशेष सफलता मिली। लेवल-1, लेवल-2 और लेवल-3 की कुल 13 शिकायतें आवेदकों की संतुष्टि के साथ मौके पर ही निपटाकर पोर्टल पर बंद कर दी गईं।

एसपी राजेश व्यास ने सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर आवेदन का समय सीमा के भीतर निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करना होगा।

इस महत्वपूर्ण शिविर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान, एसडीओपी जावद रोहित राठौर और एसडीओपी मनासा निकीता सिंह सहित जिले के समस्त थाना, चौकी और संबंधित शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?

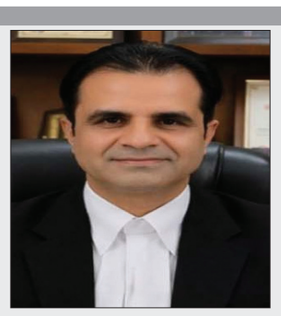

किशन सनमुखदास भावनानी

फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया -भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण...

इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती...

दुनियाँ नें इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती...

वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आगेर्नाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरूआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के जैरे, जिसे आज

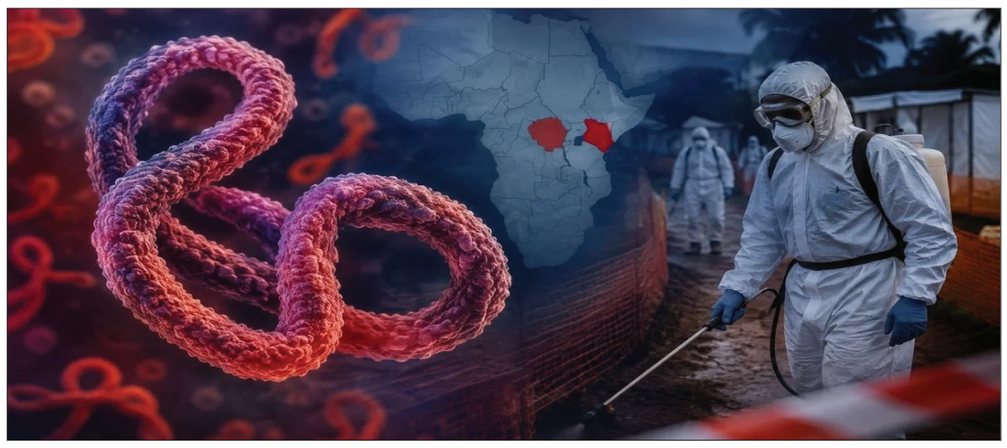

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं।

साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है।

साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरूआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है।

साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें।

साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरूआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है।

साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

संपादकीय

क्या भारत प्रमुख अर्थव्यवस्था है?

प्रख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के पद पर काम कर चुके हैं, लिहाजा उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के जिन संकेतकों की व्याख्या की है, वे महज सरकार की आलोचना नहीं हैं, बल्कि बेहद गंभीर सवाल भी हैं। उन्होंने इस विरोधाभास को उठाया है कि भाजपा अपनी राजनीति के 'चरमोत्कर्ष' पर है। यकीनन बंगाल की चुनावी जीत ऐतिहासिक है, लेकिन अर्थव्यवस्था के मामले में वह हार रही है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर और निम्न है। इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती कि यह 'निम्नतम' श्रेणी में नहीं जाएगी। अर्थशास्त्री भल्ला के अनुसार, जीडीपी वृद्धि के लिहाज से भारत 9वें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जीडीपी विकास में 8वें स्थान पर है और डॉलर में प्रति व्यक्ति विकास के संदर्भ में 16वें स्थान पर है। बांग्लादेश 8.3 फीसदी सालाना प्रति व्यक्ति विकास में प्रथम स्थान पर है। इथियोपिया जैसा युद्धरत और धूप से जले हुए चेहरों का देश 7.2 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरीकी डॉलर में भारत का प्रति व्यक्ति विकास 4.7 फीसदी है और देश 16वें स्थान पर है। डॉ. भल्ला के इस डाटा के आधार पर सवाल सहज है कि भारत एक 'प्रमुख अर्थव्यवस्था' है अथवा आज भी 'नाजुक अर्थव्यवस्था' वाली श्रेणी में है? प्रख्यात अर्थशास्त्री की बुनियादी चिंता निजी-विदेशी निवेश (औसतन 32 फीसदी) और बीते सात सालों से 'रुपए' के लगातार अवमूल्यन को लेकर है। निर्यात भी बहुत कम हो गया है। दूसरा विश्लेषण प्रो. संतोष मेहरोत्रा का है। वह भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 'विकासवादी अर्थशास्त्री' हैं। 2009-14 के दौरान वह योजना आयोग में 'अनुप्रयुक्त मानव संसाधन अनुसंधान संस्थान' के महानिदेशक (भारत सरकार में सचिव पद के समकक्ष) रहे। आज भी ब्रिटेन, मॉस्को समेत कुछ विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। प्रो. मेहरोत्रा ने शोधात्मक विश्लेषण किया है कि भारत में करीब 12.10 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं और न ही काम कर रहे हैं। उनमें से करीब 8 करोड़ युवा अपना रोजगार 'कृषि' बताते हैं, जो उनका पुश्तैनी काम होगा। इतना व्यापक, युवा श्रम बेकार जा रहा है, क्योंकि वे बेरोजगार हैं। यह देश के लिए शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक, 2012-25 के दौरान बेरोजगारी दर 'तिगुनी' बढ़ चुकी है। सरकार कुछ भी दावे करती रहे। खुदरा महंगाई दर भी 5 फीसदी को पार कर चुकी है और अभी महंगाई तेजी से बढ़ेगी। यह देश की व्यवस्था की विडंबना है कि मौजूदा दौर में कामगार या दिहाड़ीदार अथवा स्वरोजगार में लगे लोगों की आमदनी नहीं बढ़ सकी है, तो ये तबके महंगाई का सामना कैसे कर पाएंगे? दरअसल अर्थव्यवस्था संबंधी विरोधाभास यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी पांच देशों के प्रवास से लौटे हैं। इस दौरान भारत के साथ 57 करार किए गए हैं। प्रधानमंत्री 50 से अधिक वैश्विक सीईओ से भी मिले। आज यूरोपीय संघ के केंद्र में भारतीय बाजार और अर्थव्यवस्था है। इसका सबसे बढ़िया उदाहरण है कि जनवरी, 2026 में भारत और यूरोपीय संघ में 'मुक्त व्यापार समझौता' किया गया। हस्ताक्षर भी किए गए। शीत युद्ध के कालखंड में ऐसा रुख नहीं था। पश्चिम के साथ भारत के अंतरंग, रणनीतिक, मधुर संबंध नहीं थे, क्योंकि हम तत्कालीन सोवियत संघ की रक्षा और आर्थिक नीतियों के अनुसार ही निर्णय लेते थे। आज भारत का निर्यात बाजार और यूरोप के साथ पूंजी, विकसित प्रौद्योगिकी, ग्रीन ऊर्जा, एआई, सेमीकंडक्टर चिप्स, रक्षा, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, निवेश आदि क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को 'धुरी' बना दिया है। यदि यूरोपीय देशों ने भारत के साथ इतने करार किए हैं, तो भारत आर्थिक रूप से सक्षम होगा और एक विशालतम बाजार होगा! आज फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड जैसे देश और नॉर्डिक देश भी भारत के साथ अंतरंग और गहरे रणनीतिक संबंध बना रहे हैं, तो यह भारत की चौतरफा ताकत है।

12 हफ्तों की कठिन ट्रेनिंग के बाद सीटीसी नीमच से निकले 61 नए योद्धा, शपथ लेकर बोले- देश सेवा सर्वोपरि

नीमच। केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय (सीटीसी) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल नीमच के आरटीसी परेड ग्राउंड में रविवार को जोश, अनुशासन और देशभक्ति से भरा माहौल देखने को मिला। यहां 61 नव-नियुक्त अधीनस्थ अधिकारियों (भूतपूर्व सैनिकों) का बुनियादी प्रशिक्षण सह शपथ ग्रहण परेड समारोह भव्य रूप से आयोजित हुआ। 12 सप्ताह की कठिन ट्रेनिंग पूरी करने के बाद जवानों ने राष्ट्र सेवा की शपथ लेकर देश की सुरक्षा के लिए हर परिस्थिति में तैयार रहने का संकल्प लिया।

समारोह में मुख्य अतिथि एवं सीटीसी नीमच के निदेशक/प्राचार्य दर्शन लाल गोला ने परेड की सलामी ली। परेड कमांडर उप निरीक्षक/कैडेट मंजीत सिंह और द्वितीय कमान अधिकारी उप निरीक्षक/कैडेट करण कुमार कौशल के नेतृत्व में जवानों ने शानदार मार्चपास्ट कर अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। मैदान में कदमताल करते जवानों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्य अतिथि श्री गोला ने कहा कि देश की सुरक्षा और अखंडता बनाए रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी अब इन जवानों के कंधों पर है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जवानों को केवल हथियार चलाना ही नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में संयम, अनुशासन और मानवता के साथ कार्य करना भी सिखाया गया है। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को शारीरिक दक्षता, हथियार संचालन, युद्ध कौशल, निहत्थी लड़ाई, दंगा नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, मानवाधिकार और पुलिस-जनसंपर्क जैसे विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही जंगल सर्वाइवल ट्रेनिंग के जरिए विपरीत हालात में प्राकृतिक संसाधनों के सहारे जीवित रहने और राष्ट्रविरोधी ताकतों का मुकाबला करने की तैयारी भी कराई गई। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत रण-कौशल प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्हें मौजूद अधिकारियों, परिजनों और अतिथियों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में उप महानिरीक्षक आरटीसी नीमच प्रमोद कुमार सिंह, कमांडेंट छोटन ठाकुर, प्रमोद कुमार साहू, जितेंद्र कुमार गुप्ता सहित केरिपुबल के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रशासन, पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में परिजन मौजूद रहे। समारोह का समापन सामूहिक फोटो और मीडिया संवाद के साथ हुआ।

गंगा दशहरा पर पारसी बावड़ी पार्क में चला सफाई अभियान

नीमच। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत गंगा दशहरा के अवसर पर नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा सोमवार को गांधी वाटिका स्थित पारसी बावड़ी पार्क में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में जलकल सभापति छाया वीरेंद्र जायसवाल की उपस्थिति में कर्मचारियों ने पार्क एवं बावड़ी परिसर की साफ-सफाई कर शहरवासियों को स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया।

नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के दौरान श्रीमती जायसवाल ने बगीचा शाखा, स्वास्थ्य शाखा और जलकल शाखा के कर्मचारियों के साथ श्रमदान किया। उन्होंने पार्क में स्थापित शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा हाथ में झाड़ू लेकर पूरे परिसर की सफाई की।

अभियान के दौरान पारसी बावड़ी स्थित कुएं का निरीक्षण भी किया गया। जलकल सभापति श्रीमती जायसवाल ने कुएं की मरम्मत एवं आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और नागरिकों को भी इसमें सहभागिता निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में कार्यालय अधीक्षक कन्हैयालाल शर्मा, प्रभारी राजस्व अधिकारी टेकचंद बुनकर, स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश टांक, जलकल शाखा सुरेश पवार, नाथूलाल नागर, मोहम्मद सलीम तथा बगीचा शाखा के बाबू सिंह सहित नगर पालिका की विभिन्न शाखाओं के कर्मचारी उपस्थित रहे।

नपा ने दिया स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश

मन की साधना

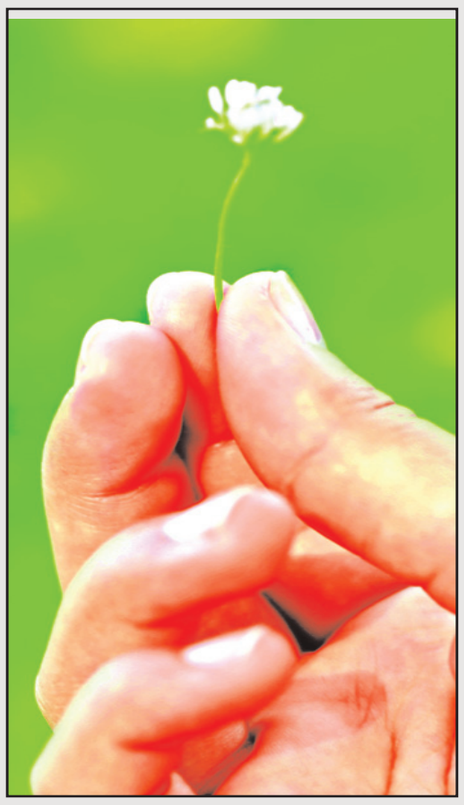

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES
Admission Open 2025-26
धर्मेश तिवारी Director
निरंजन (राजू) तिवारी
MBA 2 Year | B.Pharma 4Year | D.Pharma 2 Year
B.Ed. 2 Year | D.Ed./STC 2 Year | B.Sc. B.Ed. 4 Year | B.A. B.Ed. 4 Year
Singoli Road, Newad, Neemuch (M.P) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P)
8817326635, 8109927774 shrisrcollege collegesr90@gmail.com

RRM Group of Institution
Radhadevi Ramchandra Mangal
Group of Institutions
100% Placement | Bus Facility Available
Courses Offered -
BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain
B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology
B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW
Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392

कार्यालय ग्राम पंचायत मालखेड़ा

(जनपद नीमच जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-27 दिनांक-27/05/2026

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मालखेड़ा द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 11/06/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम
1. सौलिड कांक्रिट ब्लाट
2. पेवर ब्लॉक
3. फर्शी
4. ईट
5. गिट्टी 6, 12x20, 40
6. सिमेन्ट
7. बड़ी रेत
8. बालू रेत
9. मुरम भराव
10. टेंकर
11. ट्रेक्टर
12. लेवलिंग मशीन
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा
14. शेड/ चद्दर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM, A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI.,MS)
16. मोटर 10HP+5HP
17 समरसीबल केबल
18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
20. मिक्सर
21. वाईब्रेटर
22. सेंटिंग
23. रोलर
24. टाईल्स / शीर्ट
25. सिमेन्ट पाईप
26. बद्दा / पत्थर
27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
28. एलएडी
29. कचरा पेटी
30. कचरा गाड़ी
31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर
33. GI
34. चद्दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत मालखेड़ा में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत मालखेड़ा को होगा!

सरपंच रोहित भील | सचिव लोकेश राठौर

RBS GROUP OF INSTITUTION
कॉलेज केम्पस : हर्कियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड़, नीमच (म.प्र.)
Ph. (07423) 268268-69-70, M.9425922520, 7869587202, 7694015501 7694015502
NURSING (नर्सिंग) | MGMT & COMMERC | Computer & IT | SOCIAL WORK | PHARMACY
GNM (नर्सिंग) BBA BCA MSW D. PHARMA
B.Sc. (नर्सिंग) MBA B.Sc. (cs)
M.Sc. (नर्सिंग) B.Com (plain) DCA
P.B. B.Sc. (नर्सिंग) B.Com. (Compu.) PGDCA D.Ed B.Ed
EDUCATION
SC/ST/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति

रीवा हादसे को लेकर जैन समाज में आक्रोश, सिंगोली में निकाला मौन जुलूस

सिंगोली (मुकेश माहेश्वरी)। रीवा में हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका श्री उपशममति माताजी के समाधि मरण के बाद जैन समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इसी क्रम में सोमवार को सकल जैन समाज सिंगोली के तत्वावधान में नगर में विशाल मौन जुलूस निकालकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। समाजजनों ने घटना की निष्पक्ष जांच एवं आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

मौन जुलूस सुबह 11 बजे कमल चौक से प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन सफेद वेशभूषा में शामिल हुए। हाथों में तख्तियां एवं बैनर लिए समाजजनों ने शांतिपूर्वक तहसील कार्यालय तक मार्च किया। वहां तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया कि पूज्य आर्यिकाओं के साथ हुई घटना केवल सामान्य सड़क दुर्घटना प्रतीत नहीं होती, बल्कि उपलब्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर समाज में गंभीर आशंका और चिंता का वातावरण बना हुआ है। समाजजनों ने कहा कि जैन साधु-साध्वियां पूर्णतः अहिंसक एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो समाज को संयम, करुणा और अहिंसा का संदेश देते हैं। ऐसे संतों के साथ लगातार बढ़ रही दुर्घटनाएं अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक हैं। सकल जैन समाज ने ज्ञापन के माध्यम से घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाने तथा संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में शामिल करने की मांग उठाई। साथ ही प्रशासन और समाज के बीच समन्वय तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता भी बताई गई। समाजजनों ने बताया कि पूज्य प्रमाण सागर एवं सुधा सागर महाराज के आह्वान पर देशभर में मौन जुलूस और ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सिंगोली में भी समाज ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आर्यिका माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ज्ञापन का वाचन संजय नागौरी एडवोकेट द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए संत सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

पेज नं. 1 का शेष... चंबल अभ्यारण्य में...

उच्चतम न्यायालय ने इन राज्यों को प्रभावित क्षेत्रों में सर्विलांस और मानिटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना व इनका संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध खनन गतिविधियों में शामिल वाहनों व मशीनरी और इनसे जुड़े लोगों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई करने को भी कहा है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में अवैध रूप से खनन की गई रेत के परिवहन के लिए बिना रजिस्ट्रेशन और बिना नंबर वाले वाहनों के इस्तेमाल से जुड़ी हालिया मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया। पीठ ने मध्य प्रदेश की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से इस मुद्दे पर जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 29 मई को होगी। पीठ ने राजू से कहा, 'अगर यह सही है तो आपके अधिकारियों ने कोर्ट में झूठा हलफनामा दाखिल किया है।' उन्होंने कहा कि अगर यह तथ्य सही है तो यह हैरान करने वाला है और गंभीर कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में चंबल नदी किनारे स्थित 5,400 वर्ग किलोमीटर में फैला एक संरक्षित क्षेत्र है। 1978 में स्थापित यह अभयारण्य लुप्तप्राय घड़ियाल, लाल-मुकुट वाले कछुए और गंगा डॉल्फिन के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

बीमा क्लेम में देरी बर्दाश्त नहीं, पीड़ित परिवारों को जल्द मिले सहायता राशि : कलेक्टर हिमांशु चंद्रा

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जिले के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति (DLCC) की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पीड़ित परिवारों को समय पर क्लेम राशि मिलना सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के शत-प्रतिशत खाताधारकों का इन योजनाओं में पंजीयन कर जिले को पूर्ण रूप से सैचुरेटेड किया जाए। उन्होंने एलडीएम को निर्देशित किया कि आगामी बैठक में प्रत्येक बैंक शाखा के लंबित क्लेम प्रकरणों की सूची प्रस्तुत की जाए तथा एक माह से अधिक लंबित मामलों की नामजद जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। प्रधानमंत्री जनधन योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी बैंकों को 0 बैलेंस खातों को सक्रिय कर उनमें नियमित लेन-देन शुरू करवाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी खातों का री-केवाईसी एवं ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से करवाने को कहा। बैठक में बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक एवं बंधन बैंक को विशेष रूप से एनपीए में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर प्राथमिकता से वसूली अभियान चलाने की बात कही। कलेक्टर ने पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना सहित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अभी से लक्ष्य पूर्ति हेतु पर्याप्त प्रकरण तैयार कर बैंकों को भेजने के निर्देश दिए।

श्री देव वेल्डिंग वर्कस
आवश्यकता है
वर्कशॉप पर काम करने के लिए
वेल्डर, फिटर और हेल्पर
की तुरंत आवश्यकता है
संपर्क करें:
मदन माली - 9669999779
राजमल गायरी - 9926640630
पता:
स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

OUR ACHIEVEMENTS
Area's best school where students fight for
M.P & National level in
Academics and Sports & Unleash their potential on the field

Best CBSE school in the region with 100% result past 6 years and practice to podium we are with students.
Koushlendra Soni (12th Commerce Student) Ranked 1st in the CA Foundation in MP
Best NCC provider with best junior cadet in 5 MP battalion
Selected in Indian Basketball Team
India's CBSE National Tournament Achievers of Gold Medalist (under 19) in Basketball.
Gold Medalist in South Asian Basketball Championship
GYANODAYA INTERNATIONAL SCHOOL
Admission for session 2026-27 for classes
Nursery to XII (Science, Commerce, Humanities)
Admission for vacant seats only | Only 30 students in each class. 2 Teachers in all Pre-Primary classes. | Bus Facility Available From - Neemuch, Jawad, Nayagaon, Manasa & Chotisadri
For visit & admission, School time: 09am to 03pm & City Office time: 10:30am to 06:30pm
Campus: Kanawati, Neemuch | City Office: Shop No. 9 Opp. Alkaloid Factory, NMH, Mob. 98273 77168
NMH: 7771006847 | Jawad : 7898358888 | Manasa : 7771001308

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस ™
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।